"हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने की समस्या का अध्ययन"

"छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर"

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत
(क्रियात्मक अनुसंधान)
2010-2011

निर्देशक:
श्री हबीब इकराम
शिक्षक- बी० एड० विभाग

अनुसंधानकर्ता:
मोहम्मद अहमद
बी० एड० (छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

<u>घोषणा-पत्र</u>

मैं **मोहम्मद अहमद** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कार्य मेरी मौलिक कृति हैं तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान कही अन्यत्र प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **"श्री हबीब इकराम"** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता ने इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

(मोहम्मद अहमद)

छात्राध्यापक(बी० एड०)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कानपुर के "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय" के **"हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने की समस्या का अध्ययन"** हैं।

सर्वप्रथम मैं सर्वशक्तिमान "अल्लाह" के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ जिसने मुझे इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना करने योग्य बनाया।

मैं अपने निर्देशक **"श्री हबीब इकराम"** के प्रति अत्यन्त आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणामस्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं **जनाब अंसार अहमद**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, कानपुर का भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात मैं "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाँधी नगर, कानपुर" के अध्यापकों तथा प्रधानाचार्य को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

शोधकर्ता

(मोहम्मद अहमद)

Snow Kids

“क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित प्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन”

परियोजना का शीर्षक	:	“हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने की समस्या का अध्ययन”
अनुसंधानकर्ता का नाम	:	मोहम्मद अहमद
अनुसंधान निर्देशक का नाम	:	श्री हबीब इकराम
विद्यालय का नाम	:	डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉंधी नगर, कानपुर
कक्षा	:	7
अनुसंधान की अवधि	:	25 जनवरी 2011 से 13 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

समस्या की पृष्ठभूमि

प्राचीन समय से ही मानव झुंड बनाकर अर्थात समाज में रहता रहा हैं। समाज में उच्च या अच्छा स्थान प्रप्त करने के लिये व्यक्ति का शिक्षित होना आवश्यक है। यदि किसी देश में शिक्षित व्यक्तियों की संख्या अधिक हो तो वह देश न केवल उन्नति की ओर अग्रसर होगा वरन् उस राष्ट्र में रहने वाले नागरिकों का भी सर्वांगीण विकास होता रहेगा।

महात्मा गॉंधी ने भी शिक्षा के सम्बन्ध में कहा हैं- **"शिक्षा से मेरा अभिप्राय हैं, बालक और मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क और आत्मा में पाये जाने वाले सर्वोत्तम गुणों का चहुँमुखी विकास**"।

हिन्दी भाषा का ज्ञान प्रत्येक शिक्षित भारतीय को होना आवश्यक हैं, क्योंकि यह भारत की राष्ट्र भाषा हैं तथा कुछ राज्यों की सरकारी भाषा भी है। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुयी हैं। यह बहुत सरल व आसान भाषा हैं। अधिक सरल भाषा के कारण कुछ अभिभावक तथा छात्र हिन्दी के प्रति उदासीन हो जाते हैं। बच्चा भी हिन्दी विषय में अधिक रूचि न लेकर हिन्दी शिक्षण के समय कक्षा से भाग जाता हैं। और जब उनकी परीक्षा का समय आता हैं तो यही हिन्दी उनके लिये एक समस्या बन जाती हैं। अंततः वे परीक्षा में अनुचित साधन का प्रयोग करने लगते हैं। यह कार्य उनके स्वभाव व चरित्र पर बुरा प्रभाव डालने लगता हैं।

अतः उपरोक्त समस्या को दूर करने के लिये छात्राध्यापक ने एक परियोजना का निर्माण किया और समस्या को हल करने का सरलतम का प्रयास किया।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

छात्राध्यापक ने इस समस्या के अध्ययन हेतु एक परियोजना बनाई जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- हिन्दी विषय के विद्यार्थियों की रूचियों, आवश्यकताओं एवं योग्यताओं को समझकर उनके अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया को अपनाने में शिक्षक की सहायता करना।
- हिन्दी विषय के विद्यार्थियों को परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने से होने वाली हानियों के विषय में जानकारी देना।
- हिन्दी विषय के विद्यार्थियों के मानसिक स्तर को उठाने के लिये पाठ्य सहगामी क्रियाओ का आयोजन कराना।
- हिन्दी विषय के विद्यार्थियों को महान व्यक्तियों के नैतिक एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण जीवनी पढ़ने के लिये प्रेरित करना।
- विद्यालय के वातावरण में सुधार करना जिससे छात्र इस तरह के कार्यो से दूर रहें।
- हिन्दी विषय के छात्रों की समस्याओं के निवारण के लिये उचित प्रकार के कार्यक्रम का निर्माण करना।
- हिन्दी विषय के छात्रों में शिक्षण कार्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना, ताकि वे परीक्षा के समय अनुचित साधन के प्रयोग से बचे
- विद्यार्थियों को समूह में कार्य देकर उनमें सहयोग की भावना को जाग्रत करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

यह परियोजना छात्रों एवं शिक्षको के लिये ही नही बल्कि पूरे समाज के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इस परियोजना के महत्व को हम निम्न बिन्दूओं के आधार पर व्यक्त कर सकते हैं-

- इस परियोजना के द्वारा हिन्दी विषय के छात्रों को अनुचित साधनो का प्रयोग करने से बचाया जा सकता हैं।
- छात्रों में इस परियोजना के माध्यम से कक्षा शिक्षण के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के स्तर को उठाने की प्रयत्न किया जा सकता हैं।
- विद्यार्थियों में समय के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जा सकती हैं।
- छात्रों में आर्दश गुणों का विकास किया जा सकता हैं, जिससे वह आर्दश नागरिक बनें और अपने देश के हित में कार्य करें।
- इस परियोजना के माध्यम से शिक्षण कार्य को रोचक बनाया जा सकता हैं।
- इस परियोजना के माध्यम से शिक्षण कार्य को रोचक बनाया जा सकता हैं, जिससे छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति रूचि उत्पन्न हो।

Snow Kids

"हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने के कारण"

छात्रों में अनुचित साधनो का प्रयोग करने के कई कारण होते हैं। जिसमें व्यक्तिगत कारण, आर्थिक कारण, सामाजिक कारण एवं मनौवैज्ञानिक कारण प्रमुख हैं। इन कारणों को हम निम्न लिखित बिन्दुओं के द्वारा समझ सकते हैं-

- हिन्दी विषय के छात्रों का शिक्षण अध्ययन में रूचि न लेना एक महत्वपूर्ण कारण हैं।
- सम्भवतः शिक्षण कार्य में पिछड़ जाने के कारण भी छात्रों परीक्षा के समय अनुचित साधनो का प्रयोग करते होगें।
- विद्यालय के प्रतिकूल वातावरण के कारण भी छात्र अनुचित साधनो का प्रयोग करते होगें।
- सम्भवतः हिन्दी विषय की कक्षा में पढ़ने वाले बुरे छात्रों के कुसंगति के कारण भी छात्र परीक्षा के समय अनुचित साधनो का प्रयोग करते होगें।
- हिन्दी विषय के शिक्षक के कठोर एवं भेदभाव पूर्ण व्यवहार के कारण छात्रों में परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने की प्रवृत्ति का जन्म होता होगा।
- सम्भवतः घर का वातावरण अच्छा न होने के कारण भी हिन्दी विषय के छात्र परीक्षा के समय अनुचित साधनो का प्रयोग करते होगें।

Snow Kids

परियोजना का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने “हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने की समस्या का अध्ययन” किया हैं।

समस्या का परिसीमन

समस्या के अध्ययन हेतु व इसका समाधान करने हेतु “डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय”, गॉधी नगर, कानपुर के कक्षा 7 के 22 विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति लापरवाह होना।	छात्रों का निरीक्षण करके।	तथ्य	नियंत्रण सम्भव हैं।	1
2	छात्रों का परीक्षा की तैयारी उचित रूप में न करना।	छात्राध्यपक द्वारा निरीक्षण एवं पूछताछ करके।	तथ्य	नियत्रणं सम्भव हैं।	2
3	परीक्षा के समय अभिभावकों का बच्चों की निगरानी न करना।	अभिभावकों से पूछताछ के द्वारा।	तथ्य	नियत्रणं सम्भव हैं।	3
4	कभी-कभी विद्यार्थी के पास सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री का न होना।	छात्रों से पूछताछ के द्वारा।	तथ्य	नियत्रणं सम्भव हैं।	5
5	छात्रों में अधिक अंक की लालसा।	छात्रों के साक्षात्कार द्वारा।	तथ्य	नियंत्रिण सम्भव हैं।	4

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैं जिन पर अनुसंधानकर्ता का पूर्ण नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने अपनी समस्या के समाधान हेतु निम्नलिखित दो परिकल्पनाये बनायी हैं:-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय में हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने से छात्रों को होने वाली हनियों से अवगत कराकर तथा अभिभावकों एवं अध्यापको के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके इस समस्या का निराकरण किया जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

अध्यापको के द्वारा पाठ को रोचक बनाने के लिये उचित चित्रों, मानचित्रोंएवं मॉडल का प्रयोग कर छात्रों को अध्ययन के लिये प्रेरित किया जा सकता हैं।

उपकरणों का चयन

समस्या के अध्ययन हेतु बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षण के लिये अनुसंधानकर्ता ने कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्न उपकरणों का चयन किया :-

- प्रेक्षण
- प्रतिपृच्छा
- सूचना
- सुझाव

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक द्वारा विद्यार्थियों को परीक्षा के उद्देश्य एवं महत्व के बारें में बताया गया।	छात्रों को समझाकर	सुझाव	2 दिन
2	छात्राध्यापक ने परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने वाले छात्रों का पता लगाया।	छात्रों से पूछताछ एवं छात्रों का निरीक्षण करके।	प्रतिपृच्छा	3 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने वाले छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	छात्रों की विद्यालय की डायरी में सूचना देकर	सूचना	1 दिन
4	विचार-विमर्श के दौरान छात्राध्यापक द्वारा अभिभावकों को छात्रों द्वारा परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने से होने वाली हानियों से अवगत कराया गया।	उन कारणों को बताया गया जिससे छात्र परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करते हैं।	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	2 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के ऑंकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षण हेतु ४ दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अध्यापको एवं अभिभावको के प्रयास से कुछ छात्र परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करना छोड़ चुके है परन्तु कुछ छात्र अभी भी परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग कर रहें हैं।

अतः छात्राध्यापक को ४ दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। इसके बाद छात्राध्यापक ने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य किया।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक द्वारा कक्षा में जाकर छात्रों को परीक्षा में अनुचित साधन न प्रयोग करने की प्रेरणा दी गयी।	अनुचित साधन के प्रयोग से होने वाली हानियां बताकर।	सुझाव	2 दिन
2	परीक्षा के समय अभिभावकों एवं शिक्षकों का पूर्ण सहयोग छात्रों की तैयारी में होना।	अभिभावकों एवं शिक्षकों से विचार करके।	विचार एवं सुझाव	4 दिन
3	विद्यालय के परीक्षा निरीक्षकों को चुस्त किया गया।	प्रबंधक व प्रधानाचार्य के साथ बैठ कर कार्यवाही की गई।	सहयोग एवं मदद	1 दिन
4	उपरोक्त किये गये कार्यो के परीणाम स्वरूप छात्रों ने परीक्षा में अनुचित साधन न प्रयोग करने का संकल्प लिया।	छात्रों के दृढ़ संकल्प को देखकर।	संकल्प	1 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

उपरोक्त परियोजना के अनुसार छात्राध्यापक ने ४ दिनों तक द्वितीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु कार्य किया और अवलोकन के माध्यम से विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार को देखा और यह पाया कि अभिभावकों, शिक्षकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में परीक्षा में अनुचित साधनो का प्रयोग करने की प्रवृत्ति में सुधार हुआ हैं।

Snow Kids

परिणाम:-

छात्राध्यापक के द्वारा विद्यालय के हिन्दी विषय के छात्रों का परीक्षा के समय अनुचित साधन प्रयोग करने की समस्या के दूर करने के अध्ययन में लगभग 16 दिनों तक दो क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणाम स्वरूप यह देखा गया कि समस्या के अध्ययन में सम्मिलित विद्यार्थियों में परीक्षा के समय अनुचित साधन प्रयोग करने की प्रवृत्ति में कमी आयी हैं।

परियोजना का मूल्यांकन:-

छात्राध्यापक ने लगभग 16 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य करने तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य सभी शिक्षकों के साक्षात्कार के माध्यम से आँकड़े एकत्र किये। आँकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 7 के हिन्दी विषय के छात्र परीक्षा के समय अनुचित साधनो का प्रयोग नही करते तथा अब वे नियमित विद्यालय आकर हिन्दी की कक्षा में अध्ययन कार्य रूचि पूर्वक करने लगे हैं।

अत: छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल सिद्ध हुई तथा इसका लाभ छात्रों, अध्यापकों तथा अभिभावकों को लाभ हुआ।

निष्कर्ष:-

परियोजना के परिणाम के आधार पर निष्कर्ष के रूप मे यह कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों को उचित निर्देशन एवं परामर्श देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का निदान किया जा सकता है।

अत: छात्राध्यापक को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देश के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षो के आधार पर शिक्षकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैं:-

- हिन्दी विषय के विद्यार्थियों को समय-समय पर नैतिकता व अच्छे चरित्र वाले व्यक्तियों का उदाहरण देना चाहिये।
- शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य के सहयोग द्वारा हिन्दी विषय के छात्रों द्वारा परीक्षा के समय अनुचित साधन प्रयोग करने की समस्या का समाधान किया जाना चाहिये।
- प्रधानाचार्य व प्रबन्धक को अपने विद्यालय में समुचित शासन व्यवस्था लागू करनी चाहिये तथा उसका उलंघन करने पर उचित दण्ड देना चाहिये।
- शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य को छात्रों की परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग करने की वास्तविक समस्या का अध्ययन करना चाहिये ताकि विद्यार्थियों में सुधार हो सके।
- शिक्षकों को परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग करने वाले छात्रों को पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिये प्रेरित करना चाहिये।

Snow Kids

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, डा० कर्ण, (2006-2007) हिन्दी शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- चतुर्वेदी, डा० शिखा, (2005) हिन्दी शिक्षण, विनय रखेजा प्रकाशन, मेरठ।
- पाठक, पी० डी०, (2008) हिन्दी शिक्षण, विनोद प्रस्तक मंदिर, आगरा।
- हिन्दी मंजरी कक्षा-6, (2008) उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद।

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011